भारत सरकार

पंचायती राज मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1626

दिनांक 10.02.2026 को उत्तरार्थ

एआई-संचालित शासन प्लेटफॉर्म

†1626.श्री प्रताप चंद्र सारंगी
श्री अनुराग शर्मा
डॉ. विनोद कुमार बिंद
श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी
श्री बलभद्र माझी
श्री कैप्टन बृजेश चौटा
श्री पी. सी. मोहन
श्री राधेश्याम राठिया
श्री प्रभुभाई नागरभाई बसावा
डॉ निशिकांत दुबे
श्री सुरेश कुमार कश्यप
श्री बंटी विवेक साहू
श्री चन्द्र प्रकाश जोशी
श्री खगेन मुर्मु
श्री प्रवीण पटेल
श्री नलिन सोरेन

क्या **पंचायती राज** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) एआई-संचालित शासन प्लेटफॉर्म "सभासार" की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं;

(ख) पूरे देश में ग्राम पंचायतों की संख्या कितनी है और कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़, ओडिशा के नबरंगपुर

लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश के शिमला संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ग) कन्नड़ और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं सहित ग्राम सभा की कार्यवाही के एआई-आधारित प्रतिलेखन की सटीकता में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या उक्त पहल के अंतर्गत पूरे देश की ग्राम पंचायतों, विशेषकर हिमाचल प्रदेश की ग्राम पंचायतों को माइक्रोफोन, कैमरे और अन्य रिकॉर्डिंग उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या पंचायत और ग्राम सभा की बैठकों के अभिलेखों के दीर्घकालिक भंडारण और संरक्षण के लिए सुरक्षित डिजिटल और साइबर सुरक्षा तंत्र स्थापित किए गए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) मंत्रालय हिमाचल प्रदेश सहित जमीनी स्तर के शासन से संबंधित सभासार के माध्यम से उत्पन्न सभी डेटा का सरकारी प्रणालियों और सर्वरों के भीतर ही रहना और किसी भी निजी या तृतीय-पक्ष संस्था के साथ साझा न किया जाना कैसे सुनिश्चित कर रहा है?

उत्तर

पंचायती राज मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) और (ख) पंचायती राज मंत्रालय ने 14 अगस्त 2025 को सभासार लॉन्च किया, जो एक एआई-सक्षम वॉइस-टू-टेक्स्ट बैठक का सारांश बनाने वाला टूल है। सभासार प्लेटफॉर्म ग्राम सभा की कार्यवाही को व्यवस्थित तरीके से लेखन और विश्लेषण करने में सक्षम बनाता है और ग्राम सभा की बैठकों की बारंबारता/प्रकार और सहभागिता जैसे प्रमुख मापदंडों की निगरानी में मदद करता है। सभासार सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए उपलब्ध कराया गया है, और ग्राम पंचायतें नियमित ग्राम सभा और पंचायत की बैठकों के लिए इसे धीरे-धीरे अपना रही हैं। 04.02.2026 तक, कुल 1,15,115 ग्राम पंचायतों ने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्वचालित बैठक के सारांश के लिए सभासार टूल का उपयोग किया है। सभासार को अपनाने की राज्यवार स्थिति **अनुलग्नक -I** में दी गई है। इसके अतिरिक्त, दक्षिण कन्नड़ (कर्नाटक), नबरंगपुर (ओडिशा) और शिमला (हिमाचल प्रदेश) संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का जिला पंचायत-वार डाटा **अनुलग्नक -II** में दिया गया है।

(ग) मंत्रालय ने कन्नड़ और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं सहित ग्राम सभा की कार्यवाही के एआई-आधारित

ट्रांसक्रिप्शन की सटीकता में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। सभासार वॉइस-टू-टेक्स्ट ट्रांसक्रिप्शन के लिए भाषिणी द्वारा प्रदान की गई ऑटोमैटिक स्पीच रिकग्निशन (ASR) सेवा का उपयोग करता है। इसके अलावा, यह प्लेटफॉर्म पंचायत पदाधिकारियों को अंतिम स्वीकृति देने से पहले प्रारूप कार्यवृत्त/मिनट्स की समीक्षा, सत्यापन और संपादन की सुविधा भी प्रदान करता है।

(घ) सभासार टूल मोबाइल फोन, कैमरा आदि जैसे सहज रूप से उपलब्ध उपकरणों के माध्यम से प्राप्त ऑडियो/वीडियो इनपुट का ट्रांसक्रिप्शन करता है। मंत्रालय द्वारा एआई-आधारित ट्रांसक्रिप्शन की गुणवत्ता और सटीकता बढ़ाने के लिए संचालन प्रक्रियाएं, उपयोगकर्ता दिशानिर्देश और प्रशिक्षण सत्र जारी किए गए हैं, साथ ही ग्राम सभा की कार्यवाही की रिकॉर्डिंग के लिए एक समर्पित एसओपी भी जारी किया गया है, जिसमें वित्त आयोग अनुदान के तहत अवसंरचना आवश्यकताओं और खरीद को शामिल किया गया है।

(ङ) और (च) सभासार में प्रयुक्त एआई मॉडल MeitY के इंडियाएआई मिशन के तहत इंडिया एआई कंप्यूट पोर्टल के माध्यम से प्रदान किए गए एआई और क्लाउड अवसंरचना पर कार्य करता है। डेटा का प्रसंस्करण सरकारी अवसंरचना में किया जाता है और इसे किसी भी बाहरी तृतीय – पक्ष सेवा प्रदाता के साथ साझा नहीं किया जाता है। MeitY के तहत इंडियाएआई मिशन अंतर्निहित एआई अवसंरचना और उससे तैयार डाटा के शासन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। डेटा गोपनीयता और भंडारण से जुड़े सभी मामले मौजूदा नियमों, यानी डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (DPDP) के अनुसार विनियमित किए जाते हैं, जो भारत के राजपत्र के संख्या सीजी-डीएल-ई -14112025-267650, भाग II—धारा 3—उप-धारा (i), के तहत दिनांक 13 नवंबर 2025 को जारी किया गया है। तथापि, यह उल्लेखनीय है कि सभासार ग्राम सभा बैठकों की कार्यवाही के अभिलेखन एवं प्रलेखन को सुगम बनाता है, जो सार्वजनिक मंच हैं, और इस प्लेटफॉर्म का उपयोग केवल ऐसी कार्यवाहियों के सटीक एवं पारदर्शी दस्तावेजीकरण के लिए किया जाता है।

*****

अनुलग्नक-I

'एआई-संचालित शासन प्लेटफॉर्म' के संबंध में लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1626 जिसका उत्तर दिनांक 10.02.2026 को दिया जाना है, के भाग (क) और (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

सभासार आपनाने की राज्यवार स्थिति

क्रं सं	राज्य का नाम	**कुल ग्राम पंचायतें एवं समकक्ष**	**तैयार एमओएम वाली जीपी और समकक्षो की संख्या**	**तैयार एमओएम वाली जीपी और समकक्षो का प्रतिशत**
1	तमिलनाडु	12482	12451	99.75 %
2	ओडिशा	6794	6751	99.37 %
3	दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव	42	41	97.62 %
4	लद्दाख	193	182	94.3 %
5	त्रिपुरा	1194	1086	90.95 %
6	झारखंड	4345	3468	79.82 %
7	बिहार	8054	6385	79.28 %
8	छत्तीसगढ	11688	8864	75.84 %
9	आंध्र प्रदेश	13327	9353	70.18 %
10	उत्तराखंड	7801	5245	67.23 %
11	उत्तर प्रदेश	57695	32784	56.82 %
12	केरल	941	528	56.11 %
13	कर्नाटक	5949	3045	51.19 %
14	हरियाणा	6227	3101	49.8 %
15	जम्मू और कश्मीर	4291	1553	36.19 %
16	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	70	20	28.57 %
17	राजस्थान	11206	3132	27.95 %
18	गुजरात	14611	3415	23.37 %
19	महाराष्ट्र	27964	6529	23.35 %
20	तेलंगाना	12849	2283	17.77 %
21	मध्य प्रदेश	23011	3100	13.47 %
22	हिमाचल प्रदेश	3615	376	10.4 %
23	पंजाब	13236	1175	8.88 %
24	गोवा	191	12	6.28 %
25	अरुणाचल प्रदेश	2108	91	4.32 %
26	पश्चिम बंगाल	3339	62	1.86 %
27	मिजोरम	855	12	1.4 %
28	नागालैंड	1312	15	1.14 %
29	असम	2664	27	1.01 %
30	मणिपुर	3175	28	0.88 %

31	सिक्किम	199	1	0.5 %
32	लक्षद्वीप	10	0	0 %
33	मेघालय	6859	0	0 %
34	पुदुच्चेरी	108	0	0 %
	कुल	**268599**	**115115**	**42.86%**

04 फरवरी 2026 **तक के आकड़ें**

अनुलग्नक -II

'एआई-संचालित शासन प्लेटफॉर्म' के संबंध में लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1626 जिसका उत्तर 10.02.2026 को दिया जाना है, के भाग (क) और (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक
सभासार को अपनाने की जिला-वार स्थिति

क्रं सं	राज्य का नाम	संसदीय निर्वाचन क्षेत्र	जिला पंचायत	कुल ग्राम पंचायतें एवं समकक्ष	तैयार एमओएम वाली जीपी और समकक्षो की संख्या	तैयार एमओएम वाली जीपी और समकक्षो का प्रतिशत
1	कर्नाटक	दक्षिण कन्नड़	दक्षिण कन्नड़	223	138	62%
2	ओडिशा	नबरंगपुर	नबरंगपुर	189	189	100%
			मलकानगिरी	111	111	100%
			कोरापुट	240	240	100%
3	हिमाचल प्रदेश	शिमला	सिरमौर	259	7	3%
			सोलन	240	47	20%
			शिमला	412	11	3%

***